PACS

Madhya Pradesh & Chhatisgarh

THE SIMPLICITY & POWER OF BELIEF

Story of Struggle for Work in Balaghat

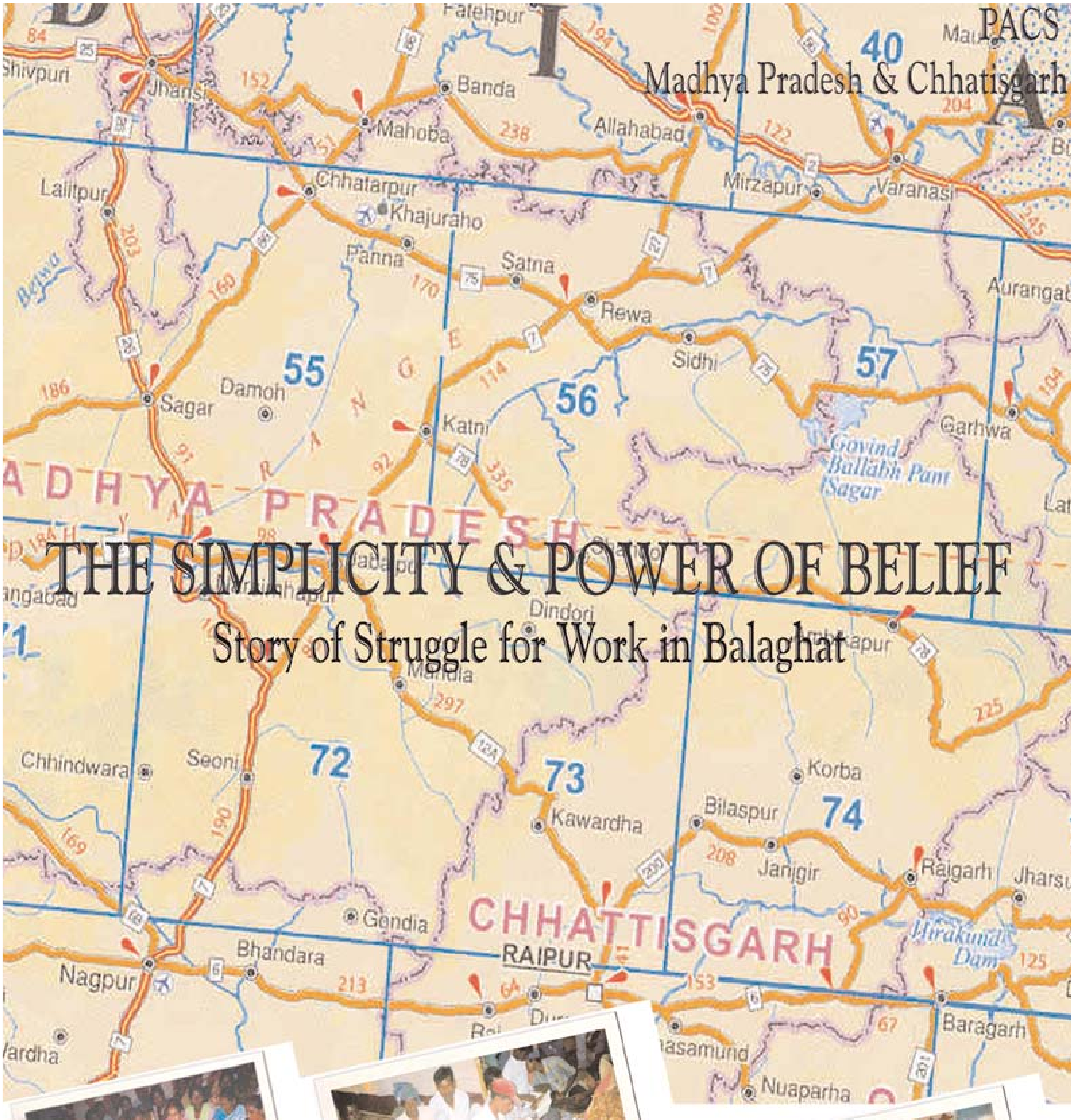

2006

एनआरईजीए. की मजदूरी और काम के लिए संघर्श

एन.आर.ई.जी.ए. की मजदूरी और काम के लिए संघर्श

बालाघाट जिले के विकासखंड बैहर की करवाही ग्राम पंचायत जहाँ विगत दो वर्शों से संस्था पेक्स कार्यक्रम के तहत महिला सशाक्तिकरण पर कार्य किया जा रहा है।

दो वर्शों में ग्राम में स्वयं सहायता समूहों के गठन और उनके प्रबंधन पर सतत् बैठकों के माध्यम से समूहों को मजबूती प्रदान करने की विभिन्न गतिविधियाँ संस्था द्वारा की जा रही हैं। पंचायत में गोंड और बैगा आदिवासी निवास करते हैं जिनकी आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने के बा. वजूद इनका नाम गरीबी रेखा में नहीं है इस हेतु भी लोगों ने आवेदन लगा रखे हैं।

इस पंचायत में करवाही, बरवाही, सरेखा गॉव हैं और बैगाटोला तथा बुदछुटोला छोटे छोटे टोले हैं। यहाँ १३ स्वयं सहायता समूह हैं जो कि

धरने के पूर्व महिला संघ की बैठक

काफी अच्छी तरह से कार्य कर रहे हैं जिसमें

जनपद पंचायत बैहर के सामने धरना

ऋण और बचत, आय सृजनात्मक गतिविधियाँ तो हैं ही सार्वजनिक समस्याओं पर समूह हस्तक्षेप करता है बात प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की हो, पंचायत को पारदर्शी बनाने या मजदूरी के भुगतान की इस तरह के मुद्दों को समूह अपने हाथ में लेकर हस्तक्षेप करते हैं। जब मुद्दे बडे होते हैं तो परियोजना क्षेत्र में बने महिला संघ अपनी भूमिका निभाता है जिसमें लगभग ६० समूहों की महिलाएं जुडी हुई हैं। गत सप्ताह संघ की महिलाओं को एक बडी सफलता मिली जिसने महिलाओं के आत्मवि वास को काफी बढाया है।

बात थी करवाही ग्राम की जहाँ कि विगत अप्रेल मई में काम के बदले अनाज कार्यक्रम और एन.आर.ई.जी.ए. के अंतर्गत काम हुआ था पर मजदूरी का भुगतान १८ अक्टूबर्.२००६ तक नहीं हुआ था।

ये कार्य पंचायत के द्वारा कराये गये थे, और सरपंच द्वारा भुगतान के लिए ध्यान नहीं दिया जा रहा था, काम के प्रथम भुगतान में गडबडी को देखते हुए महिलाओं ने सरपंच (जो स्वयं भी महिला थी) से ग्राम सभा में हिसाब देने की बात कही पर सरपंच ने ध्यान नहीं दिया और

कहा जो करना है कर लो और मजदूरी भी नहीं दी। इस पर महिलाओं ने समूह में चर्चा की जिसमें पंचायत की पंच भी सदस्य है और सभी पंचों के साथ मिलकर सरपंच के विरूध अवि वास प्रस्ताव लाया, प्रस्ताव पारित हो गया, सरपंच को हटा दिया गया पर समस्याएं खत्म नहीं हो सकीं क्योंकि सरपंच ने नयी सरपंच जो कि समूह की सदस्य भी है को चार्ज नहीं दिया जिससे मजदूरी का भुगतान लंबित हो गया।

काफी कोशिशें ग्रामवासियों, महिलाओं और स्वयं सरपंच ने की कि चार्ज मिल जावे पर यह संभव ना हो पाया। विकासखंड अधिकारी, तहसीलदार और कलेक्टर को कई पत्र प्रेशित किये गये पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस बीच महिलााओं ने
पोस्टकार्ड अभियान चलाया जिसमें प्रतिदिन ५ कार्ड कलेक्टर को प्रेशित किये गये ताकि उनकी समस्याओं का हल निकल सके लगातार १५ दिनों तक पोस्टकार्ड भेजने का भी कोई हल नहीं निकला।

अंततः महिलाओं ने तय किया कि अब जनपद कार्यालय के सामने धरना दिया जावे ताकि उनकी आवाज को लोग सुन सकें। धरने की तैयारियाँ प्रारंभ हुई महिला संघ में इस विशय पर चर्चा हुई और तय हुआ कि एक सूचना देकर

३दिन का समय दिया जावे और अगर फिर भी कुछ नहीं हुआ तो धरना किया जावेगा।

विकासखंड मुख्यालय तक जाने और तमाम अन्य खर्चों के लिए धनराशि महिलाओं के पास नहीं थी। अतः करवाही के स्वयं सहायता समूहों ने अन्य गाँवों के समूहों से राशि उधार मांगी कि वे उनका सहयोग करें और धरने को सफल बनावे, इस तरह ग्राम मेंडकी के दो स्वयं सहायता समूहों से २००० रू. ब्याज में उधार लिये गये और धरने की तैयारी की गयी।

१४ अक्टूबर को मुख्यकार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार और एस.डी.ओ.पी. को धरने की सूचना दी गयी कि उनकी ५ मांग है जिन पर यदि १७ अक्टूबर तक कार्यवाही नहीं की गयी तो महिलाएं धरना करेंगी। महिलाओं की पाँच मांगे इस प्रकार हैं।

१. पूर्व सरपंच द्वारा नये सरपंच को चार्ज दिलाना।

२. काम के बदले अनाज की लंबित मजदूरी का भुगतान कराना।

३. राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार ग्यारंटी के अंतर्गत किये गये कार्य की लंबित मजदूरी का भुगतान कराना।

४. पूर्व सरपंच द्वारा किये गये कार्य की जाँच कराना।

५. राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार ग्यारंटी के अंतर्गत नये काम प्रारंभ कर मजदूरी का भुगतान १५ दिन के अंदर कराना।

इन मांगों को लेकर ज्ञापन देने के पश्चात महिला संघ ने तीन दिन और इंतजार किया पर प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गयी अतः १७ अक्टूबर २००६ को महिला संघ की लगभग १०० महिलाओं ने ट्रेक्टर से बैहर की ओर प्रस्थान किया साथ ही टेंट और माईक आदि भी लिया, जनपद कार्यालय के सामने टेंट लगाकर ११ बजे से महिलाओं ने धरना प्रारंभ किया और नारे लगाते हुए अपनी समस्याओं और मांगों को बताना प्रारंभ किया।

कुछ घंटों तक तो कुछ असर नहीं दिखा पर लगातार महिलाओं की तेज होती आवाजों ने अधिकारियों की बैचेनी बढाना भाुरू की। लगभग १२ बजे तहसीलदार और सी.ई.ओ. जीप से ग्राम करवाही की ओर प्रस्थान कर गये ताकि पुरानी सरपंच को लाया जा सके पर सरपंच नहीं मिली और वे वापस आ गये। इस बीच महिलाओं का जोश लगातार बढ़ता गया धरने के चारों ओर पुलिस भी आ गयी।

प्रशाासनिक अधिकारियों की बैचेनी बढ़ती जा रही थी पर वे धरना स्थल पर आकर बात करने और महिलाओं की बात सुनने को तैयार नहीं थे।

भााम होते होते सी.ई.ओ. और तहसीलदार और अन्य अधिकारियों की एक बैठक हुई उसके बाद महिलाओं के प्रतिनिधियों को

जॉब कार्ड के साथ आवेदन बनाते ग्राम वासी

कार्यालय मे बुलाया गया पर महिलाओं ने मना कर दिया और कहा कि जिसको जो भी बात करना है वो हमारे पास आकर सबके सामने बात करे।

इस तरह लगभग ७ बजे सी.ई.ओ. जनपद पंचायत और तहसीलदार धरना स्थल पर आये और उन्होंने महिलाओं से बात की और उनकी समस्याओं को हल करने का आ वासन दिया पर महिलाओं ने उनसे कहा कि वे लिखकर दें और बताये कि कब तक उनकी समस्याओं पर अमल किया जावेगा। इस पर सी.ई.ओ. ने दो मांगों पर महिलाओं को लिखकर दिया।

१. दिनॉक १६/१०/२००६ को काम के बदले अनाज की लंबित मजदूरी का भुगतान किया जावेगा।

२. आगामी ३०/१०/२००६ से राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार ग्यारंटी के अंतर्गत पंचायत में काम खोला जावेगा।

अन्य मांगों पर भी भाीघ्र कार्यवाही के आश्वासन के पश्चात ही महिलाओं ने धरना समाप्त किया।

सी.ई.ओ. के लिखे अनुसार दिनॉक १६/१०/२००६ को ग्राम पंचायत करवाही में ३०० मजदूरों की मजदूरी का भुगतान किया गया और भी बाकी मजदूरी का भुगतान जल्दी कर दिया जावेगा, साथ ही काम भी खोलने का आ वासन प्रशासन की ओर से दिया गया।

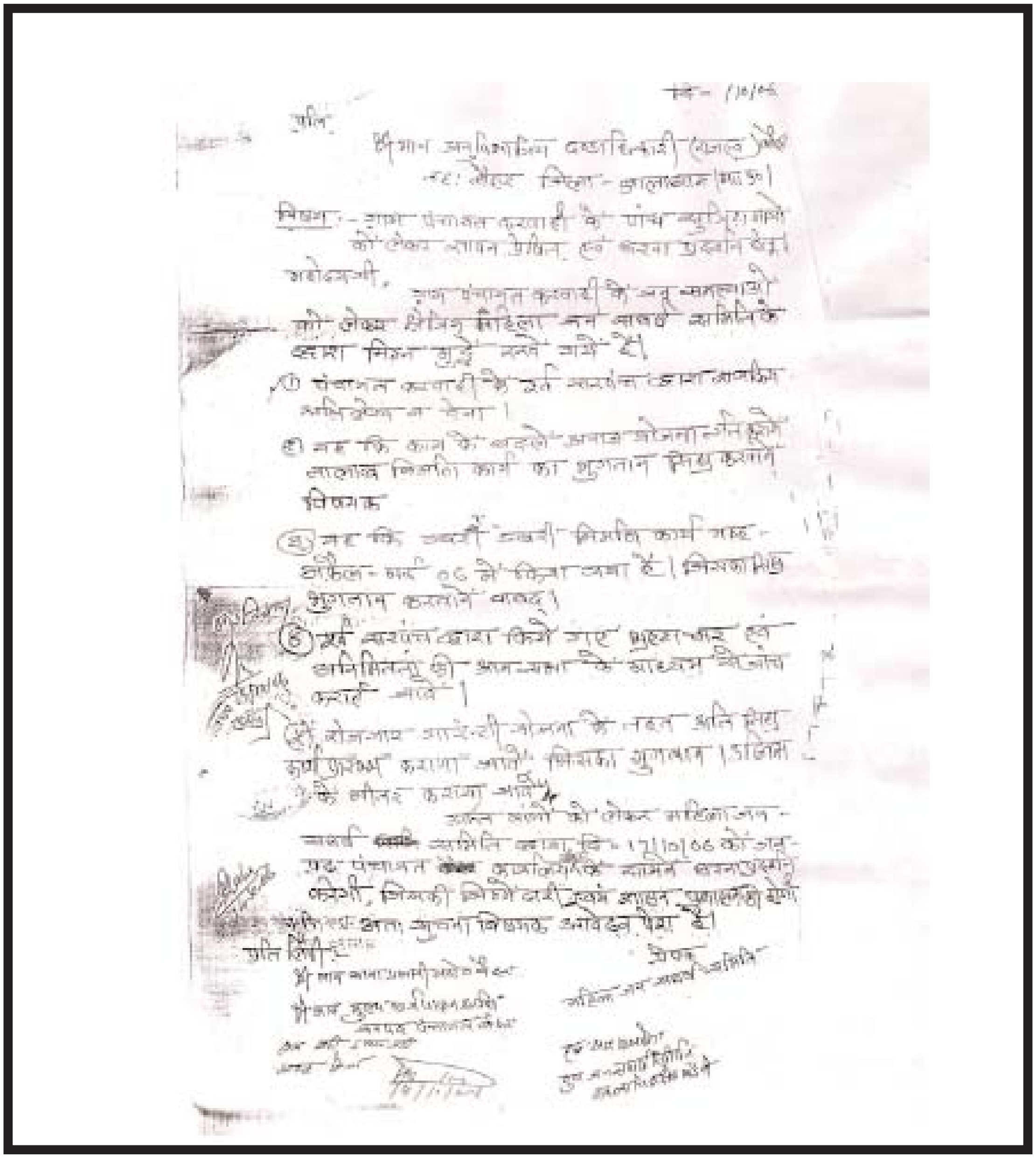

महिला संघ द्वारा सी.ई.ओ. और तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन

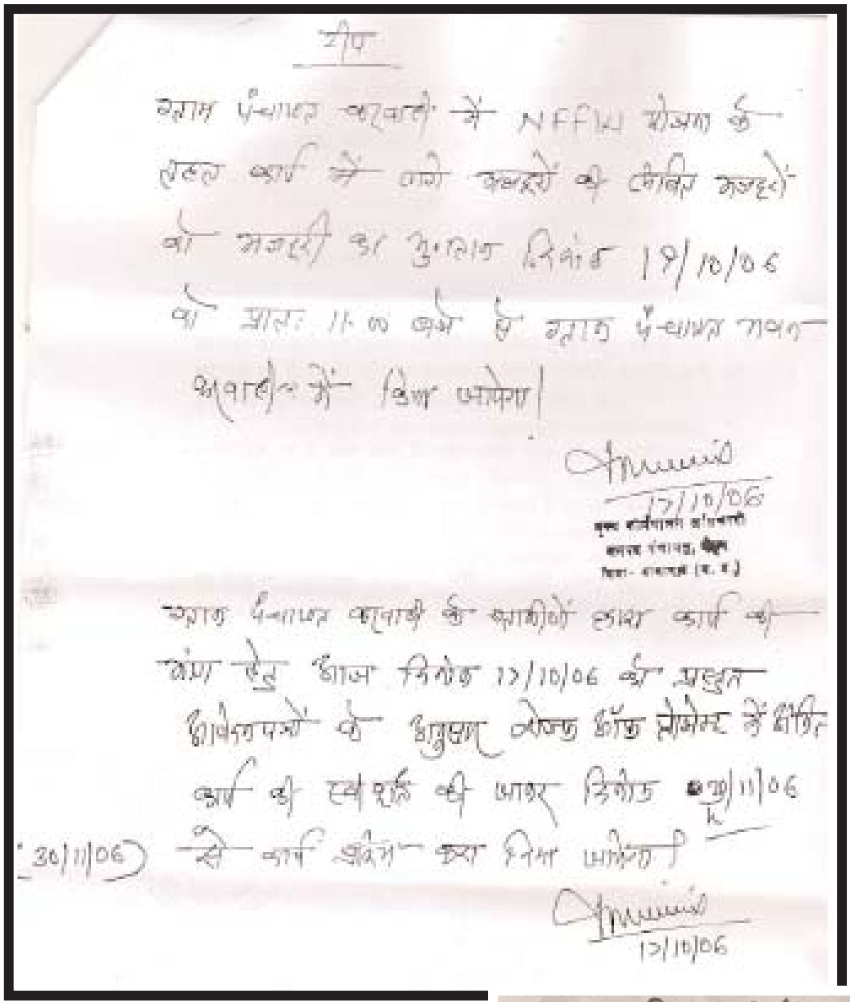

नोट

ग्राम पंचायत करवाही में NFFW योजना के तहत कार्य में लगे मजदूरों की लंबित मजदूरों को मजदूरी का भुगतान दिनांक 18/10/06 को प्रातः 11.00 बजे से ग्राम पंचायत भवन करवाही में किया जायेगा।

17/10/06
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत, बैहर
जिला- बालाघाट (म.प्र.)

ग्राम पंचायत करवाही के ग्रामीणों द्वारा कार्य की मांग हेतु आज दिनांक 17/10/06 को प्रस्तुत आवेदनपत्रों के अनुसार शेल्फ ऑफ प्रोजेक्ट में शामिल कार्य की स्वीकृति की जाकर दिनांक 30/11/06 (30/11/06) से कार्य प्रारंभ करा दिया जायेगा।

17/10/06

सी.ई.ओ. द्वारा महिला संघ को दिया गया लिखित आश्वासन

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन

ज्ञापन सौंपा

बैहर,बालाघाट (भास्कर ब्यूरों)।

आज दिनांक 17 अक्टूबर 2006 को महिला जन संघर्ष समिति भण्डेरी द्वारा ग्राम पंचायत करवाही के पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जनपद पंचायत बैहर के सामने अनेकों महिलाओं ने धरना प्रदर्शन कर अपनी मांग दोहराई,नारे भी लगाए गये।

महिला जनसंघर्ष समिति अध्यक्ष श्रीमती मनीषा परते,सचिव श्रीमती सुर्मिला ठाकरे, युवा जन संघर्ष समिति सहसचिव एम.आर.वासनिक सहित अनेकों ग्रामीण महिलाओं ने ज्ञापन सौंपा था। तब जाकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी तहसीलदार पुलिस बल लेकर ग्राम पंचायत पहुंचे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बताया गया कि एम.बी. एवं मस्टर रोल नही है जिसके कारण भुगतान नही हो सका। कल तक भुगतान करने का आश्वसान दिया गया। संघर्ष समिति की मांगों मे मुख्य रूप से ग्राम पंचायत करवाही के पूर्व सरपंच द्वारा शासकीय अभिलेख न देना ,काम के ब...

योजना अंतर्गत तालाब निर्माण कार्य का भुगतान शीघ्र करवाया जाएं,डबरा-डबरी निर्माण कार्य माह अप्रेल,मई 06 मे किया गया भुगतान शीघ्र करवाया जाए,पूर्व सरपंच द्वारा किए गये भ्रष्टाचार एवं अनियमितिता की आमसभा के माध्यम से जांच कराई जाए,रोजगार गारंटी योजना मे तहत अतिशीघ्र कार्य प्रारंभ किया जावे एवं जिसका भुगतान पन्द्रह दिनों के भीतर कराया जावे।

महासचिव सुनील, कोषाध्यक्ष हरिचन्द्र ठाकुर, भागवत कुथे, रामपाल पेंढारकर, दिलीप बहेकार, डी.आर. कामड़े, परमानंद नाकतोड़े, डी.आर. बेदरे, अशोक बुराडे, ओमप्रकाश भोयर, दिगबर दाणी, इठोबाजी गायधने, रमेश पेंढारकर, एस.पी. दाणी, गिरीश भूते, गन्नू रावते, महेश वामणकर, ए.आर. येरकर, अशोक पंचबुद्दे, नारायणराव गाडवे, सुकदेव ठाकरे आदि उपस्थित थे।

Dainik Bhaskar, October 18, 2006

For more information, please contact:

अमीन चार्ल्स
कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर,
बालाघाट
फोन : 07632 248585, 9425822228